



त्रिगुणात्मक त्रैमूर्ती दत्त हा जाणा।
त्रिगुणी अवतार त्रैलोक्य राणा।
नेती नेती शब्द न ये अनुमाना।
सुरवर मुनिजन योगी समाधी न ये ध्याना॥
जय देव जय देव जय श्री गुरुदत्ता।
आरती ओवाळितां हरली भवचिंता ॥ जय देव जय देव ॥

सबाह्य अभ्यंतरी तू एक दत्त।
अभाग्यासी कैची कळेल ही मात।
पराही परतली तेथें कैचा हेत।
जन्ममरणाचाही पुरलासे अंत॥
जय देव जय देव जय श्री गुरुदत्ता।
आरती ओवाळितां हरली भवचिंता ॥ जय देव जय देव ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



दत्ताची आरती

Datta Aarti • MandirTheTemple.com



दत्त येऊनियां उभा ठाकला।
भावे साष्टांगेंसी प्रणिपात केला।
प्रसन्न होऊनि आशीर्वाद दिधला।
जन्ममरणाचा फेरा चुकविला॥
जय देव जय देव जय श्री गुरुदत्ता।
आरती ओवाळितां हरली भवचिंता ॥ जय देव जय देव ॥



दत्त दत्त ऐसें लागलें ध्यान।
हरपलें मन झालें उन्मन।
मी-तू-पणाची झाली बोळवण।
एका जनार्दनीं श्रीदत्तध्यान॥
जय देव जय देव जय श्री गुरुदत्ता।
आरती ओवाळितां हरली भवचिंता ॥ जय देव जय देव ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें